# ना धन दौलत मांगी न उपकार माँगा है

ना धन दौलत मांगी न उपकार माँगा है,
हे मोहन मुरली वाले तेरा प्यार माँगा है,

इतना दे मुझे सहारा दिखला दे अपना द्वारा,
मैं तेरे पूत पदों में कर लूँगा नाथ गुजरा,
मैंने चरणों की सेवा का अधिकार माँगा है,
हे मोहन मुरली वाले तेरा प्यार माँगा है,

हम सबके सामने रोये ना किसी ने आंसू धोये,
जिसको भी गाव दिखाये उसने ही शूल चुबोहे,
इस लिए कन्हैया तेरा आधार माँगा है,
हे मोहन मुरली वाले तेरा प्यार माँगा है,

जिनका चित तेरी लगन में वे भक्त वसे तेरे मन में ,
हो फूल जाहा वहा कांटे क्या होते नई गुलशन में,
दिल में छोटा सा कोना करतार माँगा है,
हे मोहन मुरली वाले तेरा प्यार माँगा है,

अब दया दीं पर कर दे तुम्हको न भूलू वर दे,
बस घजे सिंह के दिल में तू ज्ञान की ज्योति भर दे,
मैंने सद्गुण भावो का श्रृंगार माँगा है,
हे मोहन मुरली वाले तेरा प्यार माँगा है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5225/title/naa-dhan-dolat-mangi-na-upkaar-manga-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |